Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 21-03-2005

Participants : Suman Shri Ramji Lal

>

Title: Likelihood of rise in prices of petrol and diesel.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों समाचार पत्रों में बराबर छप रहा है कि तेल कंपनियां डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ाना चाहती हैं । यह भी छपा है कि दो किश्तों में, पहली अप्रैल से और बाद में पहली मई से 2.80 रुपए और दो रुपए डीजल और पेट्रोल पर बढ़ोत्तरी की जाएगी । इस सरकार ने नवंबर महीने में पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की थी और सात-आठ दिन पहले अंर्तराट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम बढ़ गया, क्रूड ऑयल का दाम बढ़ गया और 55-56 डॉलर प्रति बैरल हो गया। लिहाजा डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ाना मजबूरी है । दिसंबर, जनवरी और फरवरी में अंतर्राट्रीय बाजार मे क्रूड ऑयल के दाम 40 डालर प्रति बैरल था । उस समय उपभोक्ता संस्थाओं ने यह मांग की थी जो आधार संस्थाओं ने पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने का लिया था कि अंतर्राट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल का दाम बढ़ गया है इसलिए पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाना हमारी मजबूरी है। जब अंतर्राट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल का दम कम हो गया तो इससे दाम कम होना चाहिए । सरकार जब चाहती है तब पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा देती है । मैं समझता हूं इस तरह की बेतहाशा वृद्धि की जो संभावना है, उससे निश्चित रूप से भाड़ा बढ़ेगा और आम आदमी प्रभावित होगा । मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि यह जो समाचार पत्र में छप रहा है कि 2.80 रुपए और दो रुपए डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ने जा

®cä cé…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Suman, you have made your point.

श्री रामजीलाल सुमन : सरकार बताए कि समाचार पत्र में जो छप रहा है, वास्तविकता क्या है? क्या सरकार पेट्रोल और डीजल का दाम बढ़ा कर आम आदमी पर भार डालना चाहती है । अध्यक्ष महोदय, हम आपका संरक्षण चाहते हैं । इस सदन में नेता मौजूद हैं, मंत्री मौजूद हैं, यहां सरकार को सफाई देनी चाहिए । मुझे लगता है कि 24 तारीख तक यह सदन होगा, जब यह सदन नहीं चलेगा तो सरकार पेट्रोल ओर डीजल का दाम बढ़ा देगी, जो किसी भी कीमत पर न्यायसंगत नहीं है । मैं आपका संरक्षण चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि सरकार अपनी स्थिति स्पट करे कि सरकार क्या चाहती है? आम आदमी पर भार डालना किसी भी कीमत पर न्यायसंगत नहीं है ।